सत्र – 2021–22

नियमित

राजामानसिहंतोमरसंगीत एवंकलाविश्वविद्यालय

स्कूलस्तरगायन एवंस्वर वाद्य पाठ्यक्रम

Sangeetika Senior Diploma in performing art- (S.S.D.P.A.)

PAPER	SUBJECT VOCAL/INSTRUMENTAL (NONPERCUSSION)	MAX	MIN
1	Theory Music - Theory	100	33
2	PRACTICAL - II Demonstration & Viva	100	33
	GRAND TOTAL	200	66

राजामानसिंहतोमरसंगीत एवंकलाविश्वविद्यालय

Sangeetika Senior Diploma In PerformigArt(S.S.D.P.A)

(सुगम संगीत)

सैद्धांतिक

समय : 3 घण्टे पूर्णांक :100

1. जूनियरडिप्लोमा के सम्पूर्णपाठ्यक्रम की पनुरावृत्ति।
2. सुगमसंगीतमेंप्रयोगकियेजानेवालेनिम्नलिखितवाद्यों की बनावट (सचित्र) एवंवर्णनहारमोनियम, सितार, वायलिन, सारंगी, स्पेनिशगिटार, नाल, इलेक्ट्रॉनिक वाद्य (की–बोर्ड, ऑक्टोपडे, इलेक्ट्रॉनिक तानपुरा)
3. वाद्य वर्गीकरण की जानकारी
4. परिभाषाएँ एवंवर्णन :–मींड, कण, खटका, मुरकी, गमक, वर्ण, लय , ताल, मात्रा, सम, खाली, भरी, ठेका, आवर्तन।
5. निम्नलिखितसांगीतिकविधाओं की संक्षिप्तजानकारी :– शास्त्रीय संगीत, उपशास्त्रीय संगीत, सुगमसंगीत, लोकसंगीत एवंचित्रपटसंगीत।
6. निम्नलिखिततालाकाताललिपिमेंलेखनठाह, दुगुन, चौगुनसहित :–झपताल, दीपचन्दी, धुमाली, खेमटा, चांचर, भजनीठेका।
7. संगीतविषयकनिबंध कालगभग 400 शब्दोंमेंलेखन।
8. निम्नलिखितरचनाकारोंकासंक्षिप्तपरिचय :–कबीरदास, तुलसीदास, गुरूनानक, महादेवीवर्मा, सूर्यकान्त त्रिपाठीनिराला, जयशंकरप्रसाद, मीर–तकी–मीर, फैजअहमदफैज, जिगरमुरादाबादी।

राजामानसिंहतोमरसंगीत एवंकलाविश्वविद्यालय

Sangeetika Senior Diploma In PerformigArt(S.S.D.P.A)

(सुगम संगीत)

प्रायोगिकः–प्रदर्शन एवंमौखिक

समय : 20 मिनिट पूर्णांक : 100

1. पिछलेवर्ष के पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति, आकाशवाणी द्वाराअनुमोदितरचनाकारोंकीरचनाओंकागायन : (दो–दो गीत, भजन, गजलेंकुल छः, सभीपृथकरचनाकारोंकीतथामौलिकसगीत रचनाऐं)
2. निम्नलिखितरचनाकारों की रचनाओंकागायन : (दो–दो गीत, भजन, गजलेंकुल छः सभीपृथकरचनाकारोंकीतथामौलिकसंगीत रचनाएँ) तुलसीदास, सूरदास, कबीरदास, गुरूनानक, मीराबाई, सुमित्रानन्दपंत, सूर्यकान्त त्रिपाठीनिराला, गोपालदास, नीरज, जयशंकरप्रसाद, महादेवीवर्मा, मिर्जागालिब, बहादुरशाहजफर, फैजअहमदफैज, शकीलबदायुनी, जिगरमुरादाबादी, मीरत की मीर।
3. उपरोक्तरचनाओंमेंसेकिसी एक रचनामेंउपज, बढत आदिसहितगायन।
4. एक स्वागतगीत एवंदेशभक्तिगीतकागायन (संगीत रचनामौलिकहोनाअनिवार्य है।)
5. रागपूर्वी, मारवा, आसावरी, तोड़ी एवंभैरवी के आरोह, अवरोह, पकडतथाइनमेंसेकिसी एक राग के मध्यलय ख्यालकागायन, पॉचआलाप एवंपॉचतानोंसहित।
6. भारतमेंप्रचलितकिन्हींदोलाकेगीतोंकागायन। (दोनो पृथकप्रदेशो के हो)
7. निम्नलिखिततालोंकाहाथसेतालीदेकरठाह, दुगुन एवंचौगुनसहितप्रदर्शन :–दादरा, रूपक, कहरवा, झपताल, एकताल, दीपचन्दी, त्रिताल।

प्रायोगिकअंकविभाजन

गीत		15 अंक
भजन		15 अंक
गजल		15 अंक
लोकगीत		15 अंक
उपज, बढत सहितरचना	10 अंक	
मध्यलय ख्याल		10 अंक
तालप्रदर्शन		10 अंक
देशभक्तिगीतअथवास्वागतगीत	10 अंक	
		.....
		100
		.....